ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:27.09.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2024-09-27 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	28/09/2024	29/09/2024	30/09/2024	01/10/2024	02/10/2024
वर्षा (मीमी)	30	20	12	8	6
अधिकतम तापमान(से.)	21	20	21	22	23
न्यूनतम तापमान(से.)	16	15	16	17	17
अधिकतम सापेक्षिकआर्द्रता(%)	85	85	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	35	30	30
हवा की गति (किमी प्रतिघंटा)	4	3	4	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	110	50	340	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	8	6	4	3

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 28 सितंबर से 01 अक्टूबर तक 6-30 मिमी की हल्की से मध्यम वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0-23.0oC और 15.0-17.0oC के बीच रहने का अनुमान है। हवा 3-4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्व-दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से चलने की उम्मीद है। 27 सितंबर, 2024 को कई स्थानों पर, 28 सितंबर को कुछ स्थानों पर और 29 सितंबर से 3 अक्टूबर तक अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 27 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा/गरज के साथ बिजली चमकने/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश की संभावना के बारे में पीली चेतावनी दी गई है और 28 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बिना बारिश के इसी तरह की स्थिति जारी रह सकती है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.30-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 27.09.2024 से 03.10.2024 के दौरान वर्षा में बड़ी अधिकता, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार हल्की से मध्यम और भारी वर्षा के संबंध में पीली चेतावनी दी गई है, इसलिए कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
धान	प्रजनन अवस्था / परिपक्वता	उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और कृषि कार्य साफ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
मक्का	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और खेती का काम साफ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए। मक्का की शुरुआती किस्मों की कटाई की जानी चाहिए और कटी हुई उपज को अच्छी तरह से संग्रहित किया जाना चाहिए।
रागी	प्रजनन अवस्था / परिपक्वता	उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और खेती का काम साफ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए। परिपक्व बाजरा किस्मों की कटाई और भंडारण अच्छी तरह से किया जाना चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	फूल/फली बनना	उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और कृषि कार्य साफ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
सोयाबीन	फूल/फली बनना	उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और कृषि कार्य साफ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
मूंग/ उर्द	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और खेती का काम साफ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए। परिपक्व फसल को काटा जाना चाहिए और खरीद/उपभोग के लिए संग्रहीत किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फूलगोभी	अंकुर विकास	मिट्टी की स्थिति के अनुसार खेत में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए तथा मौसम साफ रहने पर ही खेती करनी चाहिए।
मूली/ गाजर/ चुकंदर	अंकुरण/ बुवाई	खेत में नमी बनाए रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई व पतलापन करना चाहिए।
सेम/बाकला	बुवाई	उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और कृषि कार्य साफ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
सिट्रस	फ्रूटिंग	यदि सिट्रस पीला मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं तो संक्रमित टहनियों की छंटाई करें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिली/3 लीटर पानी या थियामिथोक्सेम 25% डब्ल्यूजी 1 ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीट की प्रारंभिक उपस्थिति के दौरान थियामिथोक्सेम का पहला छिड़काव करें और कीट की तीव्रता के स्तर के आधार पर 15-21 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव दोहराएं।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गोवत्स के पैदा होने के 15 दिन के उपरांत कैल्शियम, मैगनीशियम, फॉस्फोरस , जिंक , आयरन , आयोडीन , कॉपर तत्वों को लवण मिश्रण अथवा मिनरल ड्राप के रूप में सेवन कराएं।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
पोल्ट्री	नमी की वजह से आहार में फफूँदी लग जाती है जिससे आहार में पोषक तत्व की कमी हो जाने से एफ्लाटॉक्सिकोसिस नामक बीमारी हो जाती है। इससे मुर्गियों के पेट में कीड़े पड़ने से अण्डा देने की क्षमता घट जाती है ऐसी मुर्गियों को पशु चिकित्सक की सलाह से कृमिनाशक दवा महीने में एक बार अवश्य दें।